दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 08.02.2023

प्रकाशनार्थ

दिनांक 08.02.2023 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर में ''हिल्बर्ट स्पेस एण्ड डिफेरेन्सीयल ज्यमैट्री ऑफ मैनीफोल्ड'' (Hilbert Spaces & Differential Geometry) विषय पर गणित विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस व्याख्यान के अन्तर्गत मुख्य अतिथि प्रो. सुधीर कुमार श्रीवास्तव द्वारा ज्यमैट्री के इतिहास व स्पेस का निर्माण कैसे होता है तथा भविष्य में होने वाले शोध में इसकी उपयोगिता पर चर्चा किया। प्रो. श्रीवास्तव ने हिल्बर्ट स्पेस तथा बनाक स्पेस को ज्यमैट्री के साथ जोड़ कर नये शोध जो ब्लैक होल व कासमोलाजी में चल रहा है उसकी उपयोगिता पर चर्चा किया। इस व्याख्यान के दौरान प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि ज्यमैट्री की सुन्दरता सीमैट्री से है तथा डिफेरेन्सीयल मैनीफोल्ड को उदाहरणों के द्वारा सरल भाषा में छात्रों को समझाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह जी ने कहा कि गणित की शुरूआत वैदिक काल से हो चुकी थी। प्राचार्य जी ने तुलीसदास के रामचरित मानस और सूरदास के दोहो के द्वारा गणित की विशेषता बताई जिसमें उन्होने बताया कि तुलीसदास जी ने न्यूटन के समय के पहले ही पृथ्वी और सूर्य की बीच की दूरी लगभग ज्ञात कर लिया। सुन्दरकांड के दोहो के द्वारा गणित की वैज्ञानिकता को तुलीसदास ने कैसे प्रस्तुत किया इस बारे में विस्तार से प्राचार्य जी ने चर्चा किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सूरज कुमार शुक्ल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अरविन्द तिवारी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. नितीश शुक्ला, डॉ. अजेय तिवारी, डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, श्री रामपाल मौर्य, श्री मुदित दुबे सहित समस्त प्राध्यापक, कर्मचारीगण व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ. (शैलेश कुमार सिंह)
मीडिया प्रभारी